स.शि.प./जुलाइ ९९/१०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग परिचय
प्रश्नपत्र – १

सुबह ९:०० से ११:१५] (रविवार, १८ जुलाई, १९९९) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गए हैं।

(विभाग - १ सहजानंद चरित्र)

प्र. १. निम्नलिखित में से कोई भी दो विधान कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए । ६

१. *''मुझे तो आप, हजूर की, सेवा में रखे।''*
२. *''अरे! मैं पागल ने भूल से आपको छास पिला दी।''*
३. *''आप पुरुषोत्तम नारायण पधारे हो यदि आप अपनी कोई स्मृति नहीं रखेंगे, तो आपका इस लोक में आने का हेतु निष्फल हो जाएगा।''*
४. *''हमारा स्वरूप इस साधु रूप में यहाँ विद्यामान है।''*

प्र. २. निम्नलिखित में से किन्ही दो के कारण दिजिए । (लगभग १२ पंक्तियों में) ८

१. *रामचन्द्र सेठ को श्रीजीमहाराज का निश्चय हुआ।*
२. *उमरेठ के ब्राह्मण श्रीजीमहाराज के आश्रित हुए।*
३. *'नित्तान्त, कबूतर के कबूतर ही रहे।' महाराज ने परमहंसौ को एसा कहा।*
४. *मुक्तानंद स्वामी ने गुणातीतानंद स्वामी को कम्बल दिलाया।*

प्र. ३. किन्हीं दो पर लगभग १२ पंक्तियों में विवरण लिखिए । ८

१. *जामनगर में संत मंडल।*
२. *श्रीजीमहाराज के प्रागटय के छः हेतु।*
३. *आणंद में अपमान।*
४. *मीठा व्हाला, तुमको कैसे बिसरु ।*

प्र. ४. निम्नांकित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दिजिए । ५

१. *किसके संकल्प से कीडीयाँ वैकुंठ में गईं?*
२. *श्रीजीमहाराज ने शाकोत्सव कहाँ किया था ?*
३. *श्रीजीमहाराज कब धाम में पधारे ?*
४. *श्रीजीमहाराज ने किन चार संतो को सदगुरु पद पर नियुक्त किया ?*
५. *तेजा भगत ने श्रीजीमहाराज के पास से क्या माँगा था।*

प्र. ५. निम्नलिखित में से किसी एक का निरुपण कर संक्षिप्त में भावार्थ लिखिए । ५

१. *सबका कल्याण करना है।*
२. *सहजानंदरूपी सूर्य।*
३. *जूनागढ के नवाब को निश्चय।*

(विभाग २ सत्संग वाचनमाला भाग - २)

प्र. ६. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए । ६

१ *''तुम संकल्प न करो तो अब तुम्हारी खोट।''*
२. *''उससे पूछो कि किस लिये आये है, आप यहाँ रुकेंगे ?''*
३. *''जाओ, तुम विमुख हो, आज से पैरों में जूते पहनना नही।''*
४. *''जो पराजय पा कर आओगे, तो तुम्हारी आयोजिका बंन्द करवा दूँगा।''*

प्र. ७. निम्नांकित में से किन्हीं दो के लगभग १२ पंक्तियौं में कारण लिखिए । ८

१. *ग्वालियर के गवैये मंत्रमुग्ध हो गये।*
२. *महाराज को दादा से भिन्न होने का मन नहीं था।*
३. *मूलजी ब्रह्मचारी को संसार के प्रति वैराग्य उदय हुआ।*
४. *कृष्णजी अदाने हिमराजभाई के साथ संबंध तोड दिया।*

प्र. ८. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग १२ पंक्तियौं में विवरण लिखिए । ८

१. *श्रीजीमहाराज द्वारा नित्यानंद स्वामी की प्रशंसा।*
२. *अयोध्याप्रसादजी महाराज का देह का अनादर।*
३. *दादाखाचर का समर्पण भाव।*

४. *जागाभक्त के त्यागी होने की द्रढ धारणा।*

प्र. ९. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । **६**

१. *महाराजने प्रेमानंद स्वामी का 'निजबोधानन्द' नाम किस लिये बदला था ?*

२. *मूलजी ब्रह्मचारी को धाम में ले जाने के लिये महाराजने कौन सी शर्त रखी थीं ?*

३. *गुणातीतानंद स्वामी ने जागाभक्त को कौन से वचनामृत को स्वयंके लिये निश्चित करने का कहा था।*

४. *अयोध्याप्रसाद महाराज ने सोने के थाल में जिमने का आग्रह किसको किया।*

५. *लाडुबा ओर जीवुबा के बीच सेवा की खींचतान का महाराज ने क्या उपाय निकाला ?*

६. *ज्ञान-यज्ञ की जोडी का क्या अर्थ है ?*

(विभाग - 3 निबंध)

प्र. १०. निम्नलिखित में से किसी भी <u>एक</u> विषय पर लगभग ४५ पंक्तियों में निबंध लिखिए । **१५**

१. *सत्संग करने में, वर्तमानकाल के अवरोधरूप दूषण।*

२. *कथा-वार्ता सत्संग की नींव।*

३. *संस्था-विकास के लिये प्रमुखस्वामी ने उठाये कष्ट।*

* * *